



mukul



sruti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121360401

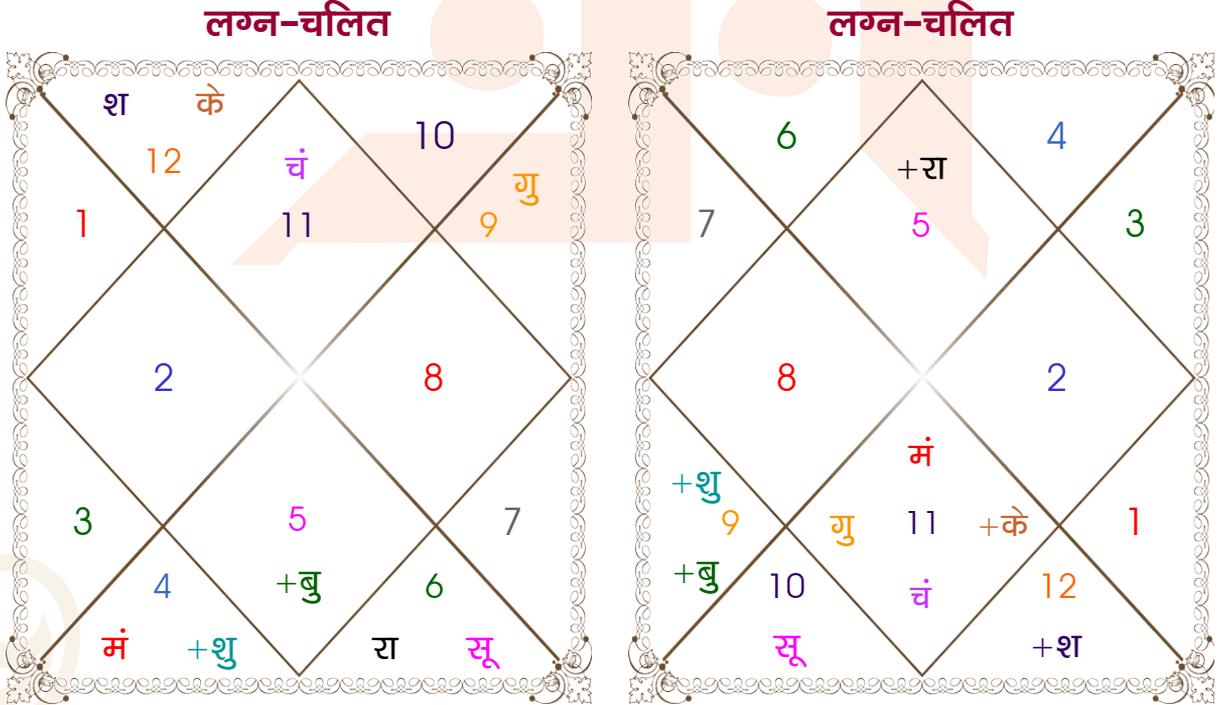
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
25/09/1996 :	जन्म तिथि	: 29/01/1998
बुधवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 16:45:00 :	जन्म समय	: 19:14:00 घंटे
घटी 26:07:52 :	जन्म समय(घटी)	: 29:38:54 घटी
India :	देश	: India
Jullundur :	स्थान	: Nabha
31:19:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:22:00 उत्तर
75:34:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:25:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:17:51 :	सूर्योदय	: 07:18:14
18:20:22 :	सूर्यास्त	: 17:58:40
23:48:44 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:45
कुम्भ :	लग्न	: सिंह
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: सूर्य
कुम्भ :	राशि	: कुम्भ
शनि :	राशि-स्वामी	: शनि
शतभिषा :	नक्षत्र	: धनिष्ठा
राहु :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
3 :	चरण	: 4
शूल :	योग	: वरियान
गर :	करण	: बालव
सी-सीताराम :	जन्म नामाक्षर	: गे-गैरी
तुला :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
अश्व :	योनि	: सिंह
राक्षस :	गण	: राक्षस
आद्य :	नाड़ी	: मध्य
मेष :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 4वर्ष 11मा 4दि	05:45:45	कुंभ	लग्न	सिंह	02:22:28	मंगल 1वर्ष 8मा 1दि
शनि	08:51:00	कन्या	सूर्य	मक	15:37:13	गुरु
30/08/2017	16:20:58	कुंभ	चंद्र	कुंभ	03:29:06	01/10/2017
30/08/2036	15:51:03	कर्क	मंगल	कुंभ	09:28:00	01/10/2033
शनि 02/09/2020	25:19:01	सिंह व	बुध	धनु	29:53:34	गुरु 19/11/2019
बुध 13/05/2023	14:45:32	धनु	गुरु	कुंभ	04:47:07	शनि 01/06/2022
केतु 21/06/2024	26:16:10	कर्क	शुक्र व	धनु	25:44:03	बुध 06/09/2024
शुक्र 22/08/2027	10:15:28	मीन व	शनि	मीन	21:25:33	केतु 13/08/2025
सूर्य 03/08/2028	14:11:16	कन्या व	राहु व	सिंह	16:54:58	शुक्र 13/04/2028
चन्द्र 04/03/2030	14:11:16	मीन व	केतु व	कुंभ	16:54:58	सूर्य 30/01/2029
मंगल 13/04/2031	06:55:04	मक व	हर्ष	मक	14:55:05	चन्द्र 01/06/2030
राहु 17/02/2034	01:11:56	मक व	नेप	मक	06:11:16	मंगल 08/05/2031
गुरु 30/08/2036	07:06:04	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:45:41	राहु 01/10/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

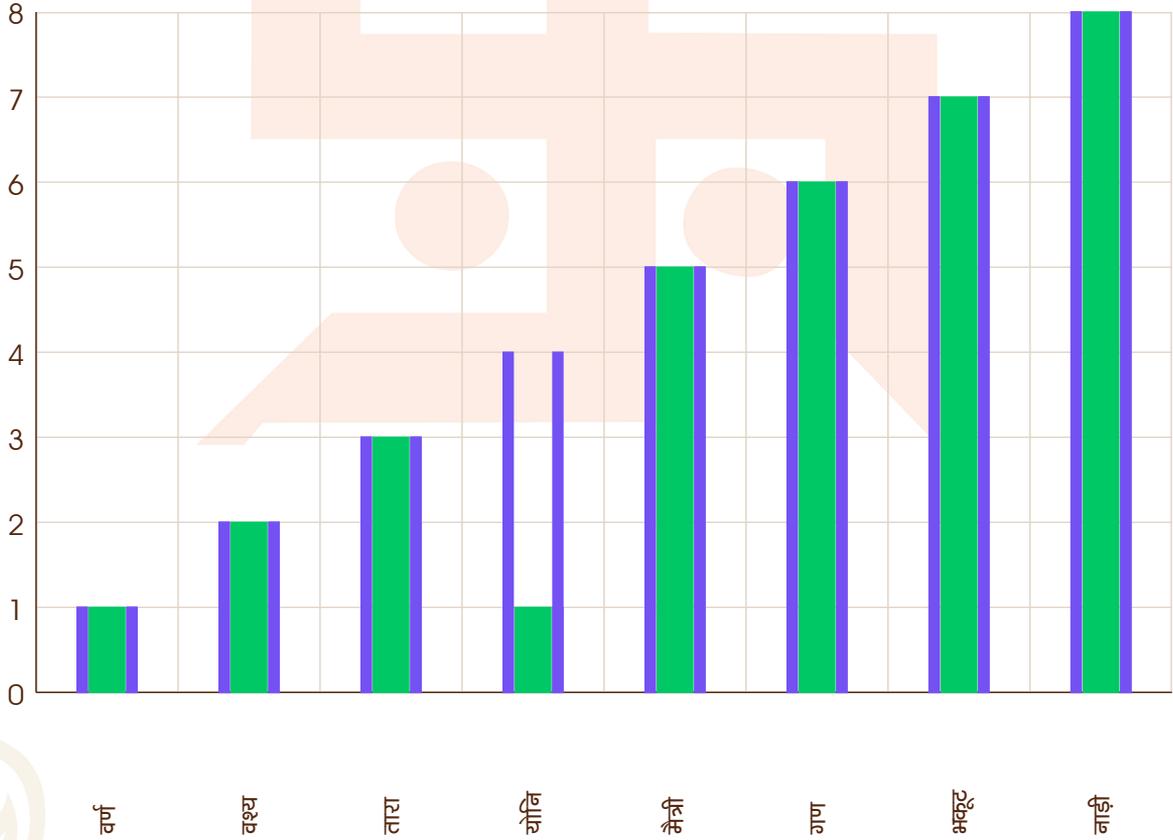
23:48:44 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:45



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

कुल : 33 / 36



अष्टकूट मिलान

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विद्यमान है।

mukul का वर्ग मेष है तथा sruti का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार mukul और sruti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

mukul मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

sruti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा । न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र sruti कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः । त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल mukul कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

mukul तथा sruti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

mukul का वर्ण शूद्र है तथा sruti का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

mukul का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं sruti का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। mukul एवं sruti दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

mukul की तारा सम्पत तथा sruti की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से mukul एवं sruti दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। sruti एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

mukul की योनि अश्व है तथा sruti की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति

मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में mukul एवं sruti दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि mukul एवं sruti दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

mukul का गण राक्षस है तथा sruti का गण भी राक्षस है। अर्थात् sruti का गण mukul के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण mukul एवं sruti दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

mukul एवं sruti दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान mukul एवं sruti तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

mukul की नाड़ी आद्य है तथा sruti की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

mukul और sruti दोनों की वायुतत्व युक्त राशि कुम्भ है। अतः इसके प्रभाव से इनकी स्वभावगत विशेषताएं समान रूप से विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता होगी एवं वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

mukul और sruti की जन्म राशि का स्वामी शनि है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपसी संबंधों में पूर्ण अपनत्व का भाव होगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण के भाव की प्रबलता होगी। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहायता प्रदान करेंगे। mukul और sruti सच्चे मित्रों की तरह जीवन यापन करेंगे तथा गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करके कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दोनों के मन में हार्दिक लगाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

mukul और sruti की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण तथा सम्मान का भाव रहेगा साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण रूपेण स्वीकार करेंगे एवं परस्पर व्यक्तिगत कार्यों में कम ही हस्तक्षेप करेंगे फलतः आपस में विश्वसनीयता का भाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के लिए सौभाग्य शाली सिद्ध होंगे तथा सांसारिक सुखों का उपभोग करेंगे।

mukul और sruti का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन सुखमय रहेगा।

mukul और sruti का वर्ण शूद्र है। अतः दोनों एक आदर्श कार्यकर्ता होंगे तथा ईमानदारी से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। अतः कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी तथा कार्य क्षमता भी बराबर होगी।

धन

mukul की तारा सम्पत तथा sruti की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से mukul सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा sruti के भाग्य से उनकी धन सम्पत्ति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

mukul और sruti को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन

में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से sruti का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

mukul का जन्म आद्य तथा sruti का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव mukul के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबन्धी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबन्धी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए mukul को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से mukul और sruti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त mukul और sruti के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में sruti के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन sruti को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में sruti को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से mukul और sruti सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार mukul और sruti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

sruti तथा उसकी सास के परस्पर संबन्ध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि sruti धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृत्ति

का अनुसरण करें तो सास से संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ sruti के संबंध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृत्ति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननों से संबंधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार sruti का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

mukul के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबंध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही mukul भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबंधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृत्ति का अनुपालन करें तो संबंधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी mukul के संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण mukul के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।